



अल नीनो मौसम घटना

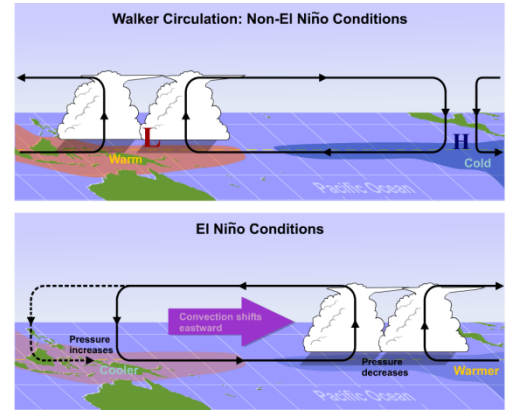
सन्दर्भ: पेरू की राष्ट्रपति दिना बोलुअर्ट (Dina Boluarte) ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में वैश्विक नेताओं को संबोधित करते हुए अल नीनो के प्रभावों को संबोधित करने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय समझौते का आह्वान किया।

अल नीनो क्या है?

- "अल नीनो" शब्द की उत्पत्ति स्पैनिश भाषा से हुई है और इसका अर्थ है "छोटा लड़का" या "ईसा मसीह का बच्चा"।
- दक्षिण अमेरिकी मछुआरों ने सबसे पहले इस घटना की पहचान 17वीं शताब्दी की शुरुआत में की थी।
- अल नीनो घटनाएँ, जो प्रशांत महासागर के गर्म पानी की विशेषता होती हैं, आम तौर पर दिसंबर में घटित होती हैं।
- अल नीनो एक महत्वपूर्ण समुद्री-वायुमंडलीय जलवायु संपर्क है जिसमें मध्य और पूर्व-मध्य भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में समुद्र की सतह के तापमान में समय-समय पर वृद्धि शामिल है।
- यह अक्सर पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में उच्च वायुमंडलीय दबाव से जुड़ा होता है।
- अल नीनो का भारतीय मानसून पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, जिससे भारत में कृषि प्रभावित होती है।

भारत पर अल नीनो का प्रभाव:

- **सामान्य मानसून वर्ष:**
 - पेरू के तट पर उत्तरी ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण पूर्व एशिया की तुलना में यहाँ अधिक दबाव होता है।
 - हिंद महासागर पड़ोसी महासागरों की तुलना में गर्म है, जिससे अपेक्षाकृत कम दबाव बनता है।
 - नमी से भरी हवाएँ पश्चिमी प्रशांत महासागर से हिंद महासागर की ओर चलती हैं।
 - भारत में कम भूमि दबाव इन नम हवाओं को अंतर्देशीय रूप में अपनी ओर खींचता है।
- **अल नीनो का प्रभाव:**
 - अल नीनो पेरू तट के सतही जल को गर्म कर देता है।
 - गर्म पानी सामान्य व्यापारिक हवाओं को बाधित करती है या उलट देती है।
 - नमी से भरी हवाएँ पश्चिमी प्रशांत (उत्तरी ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण पूर्व एशिया के पास) से पेरू की ओर बढ़ती हैं।
 - इससे अल नीनो वर्षों के दौरान पेरू में भारी वर्षा होती है।
 - अल नीनो घटनाओं के दौरान भारत में मानसूनी बारिश कम हो जाती है।
 - तापमान और दबाव का अंतर जितना अधिक होगा, भारत में वर्षा की कमी उतनी ही गंभीर होगी।



ला नीना

- **एक अवलोकन:**
 - स्पैनिश में "ला नीना" का अनुवाद "छोटी लड़की" होता है, जिसे "एल विणोजो" या "ठंडी घटना" के रूप में भी जाना जाता है।
 - ऐसा तब होता है, जब पूर्वी प्रशांत जल का तापमान सामान्य से अधिक ठंडा हो जाता है।
 - इसके परिणामस्वरूप पूर्वी भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र पर मजबूत उच्च दबाव बनता है।
 - पश्चिमी प्रशांत और एशियाई क्षेत्रों में निम्न दबाव का अनुभव होता है।
 - ला नीना के प्रभावों में पेरू और इक्वाडोर में सूखा, ऑस्ट्रेलिया में भारी बाढ़, पश्चिमी प्रशांत, हिंद महासागर और सोमालिया तट पर उच्च तापमान शामिल हैं।
 - ला नीना भारत में अच्छी मानसूनी बारिश लाता है, जिससे यह भारतीय कृषि के लिए फायदेमंद हो जाता है।
- **आवृत्ति और अवधि:**
 - अल नीनो और ला नीना घटनाएँ आमतौर पर क्रमशः हर 2-3 और 5-7 वर्षों में घटित होती हैं।
 - अल नीनो की घटनाएँ ला नीना की तुलना में अधिक होती हैं।
 - आमतौर पर, अल नीनो और ला नीना दोनों घटनाएँ नौ से बारह महीने तक चलती हैं।

व्यक्तित्व का अधिकार (Personality Rights)

सन्दर्भ: दिल्ली उच्च न्यायालय ने तीसरे पक्ष द्वारा अनधिकृत उपयोग के खिलाफ अपने व्यक्तित्व के अधिकारों की सुरक्षा के लिए अनिल कपूर के अनुरोध को मंजूरी दे दी है।

व्यक्तित्व का अधिकार क्या है?

- व्यक्तित्व के अधिकारों में किसी सेलिब्रिटी का नाम, आवाज़, हस्ताक्षर, चित्र या कोई पहचानने योग्य विशेषताएँ शामिल होती हैं।
- ये विशेषताएँ, जैसे अद्वितीय मुद्रा या व्यवहार, किसी सेलिब्रिटी की पहचान से जुड़ी होती हैं।
- कुछ हस्तियाँ व्यावसायिक उपयोग के लिए विशिष्ट पहलुओं को ट्रेडमार्क के रूप में भी पंजीकृत करती हैं।
- मूल अवधारणा यह है, कि केवल इन विशिष्ट विशेषताओं का स्वामी या निर्माता ही व्यावसायिक रूप से इसका लाभ उठा सकता है।
- विशिष्टता मशहूर हस्तियों के लिए उसका व्यक्तित्व व्यावसायिक अवसरों को आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, और अनधिकृत उपयोग के परिणामस्वरूप उसकी वास्तविक राजस्व हानि होती है।
- **सुरक्षा के लिए कानूनी कार्रवाई:**
 - सेलिब्रिटीज के पास इस सन्दर्भ में अदालती एवं कानूनी कार्रवाई करने का विकल्प है।





23 September, 2023

- वे व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए अपने व्यक्तित्व के अधिकारों के अनधिकृत तीसरे पक्ष के उपयोग के खिलाफ निषेधाज्ञा की मांग कर सकते हैं।
- यह कानूनी सहायता उनके विशिष्ट अधिकारों और संभावित कमाई की रक्षा करने में मदद करता है।

भारत में व्यक्तित्व का अधिकार:

- भारत में व्यक्तित्व का अधिकार संविधान में स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं है, लेकिन ये निजता के अधिकार और संपत्ति के अधिकार के साथ जुड़े हुए हैं।
- भारत में इन अधिकारों के लिए कानूनी संरक्षण; अपेक्षाकृत नया है और अभी इसका विकास हो रहा है।
- इस संबंध में ट्रेडमार्क सुरक्षा से छूट और धोखे जैसी बौद्धिक संपदा अवधारणाओं को यह निर्धारित करने के लिए लागू किया जा सकता है कि किसी सेलिब्रिटी को निषेधाज्ञा के माध्यम से सुरक्षित किया जाना चाहिए या नहीं।
- **मशहूर हस्तियों के लिए चुनौतियां:**
 - निषेधाज्ञा प्राप्त करने के बावजूद, मशहूर हस्तियों के लिए दुरुपयोग के सभी मामलों की निगरानी करना और उनका समाधान करना चुनौतीपूर्ण है।
 - मशहूर हस्तियों को ऑनलाइन मध्यस्थों को निष्कासन आदेश जारी करना चाहिए जैसे Google अनधिकृत सामग्री को अपने प्लेटफॉर्म से हटाएगा।
 - कानूनी प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण लागत शामिल होती है, लेकिन सेलिब्रिटी को होने वाले राजस्व नुकसान की तुलना में यह फायदेमंद हो सकता है।

न्यायालय द्वारा निषेधाज्ञा क्या है?

- निषेधाज्ञा न्यायालय द्वारा जारी किया गया एक कानूनी आदेश है।
- इसकी शुरुआत एक शिकायतकर्ता पक्ष (शिकायतकर्ता) द्वारा प्रतिवादी के रूप में नामित एक पक्ष के खिलाफ की जाती है।
- निषेधाज्ञा प्रतिवादी को कुछ कार्यों से परहेज करने या अपने एजेंटों या कर्मचारियों को विशिष्ट कार्रवाई करने से रोकने का निर्देश देती है।
- यह तब जारी किया जाता है जब प्रतिवादी धमकी दे रहा हो या कोई अन्यायपूर्ण कार्य करने का प्रयास कर रहा हो।
- विचारधीन कार्य वादी के लिए हानिकर हो सकता है। अतः इसके समाधान को मानक कानूनी कार्रवाई के माध्यम से पर्याप्त रूप से संबोधित नहीं किया जा सकता है।
- भारत में, निषेधाज्ञा का कानून मुख्य रूप से विशिष्ट राहत अधिनियम, 1963 द्वारा शासित होता है।
- इसके अतिरिक्त, सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908, कानूनी ढांचे के भीतर निषेधाज्ञा को विनियमित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

निषेधाज्ञा के प्रकार:

- **अस्थायी निषेधाज्ञा:**
 - अस्थायी निषेधाज्ञा एक विशिष्ट अवधि के लिए या मामले के संबंध में अगले अदालती आदेश दिए जाने तक जारी की जाती है।
 - इसे सुनवाई के किसी भी चरण में प्राप्त किया जा सकता है और यह सिविल प्रक्रिया संहिता (सीपीसी), 1908 द्वारा शासित होते हैं।
- **स्थायी निषेधाज्ञा:**
 - सुनवाई के दौरान और मामले की योग्यता के आधार पर अदालत द्वारा एक स्थायी निषेधाज्ञा दी जाती है।
 - एक बार ऐसा डिक्ली जारी होने के बाद, प्रतिवादी को किसी अधिकार का दावा करने या ऐसा कार्य करने से स्थायी रूप से प्रतिबंधित कर दिया जाता है जो वादी के अधिकारों का उल्लंघन करेगा।

एकात्मता की मूर्ति

सन्दर्भ: मध्य प्रदेश के वर्तमान मुख्यमंत्री ने ओंकारेश्वर शहर में 8वीं सदी के आध्यात्मिक गुरु आदि शंकराचार्य की 108 फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया।

- इस प्रतिमा, जिसे 'स्टैच्यू ऑफ वननेस' के नाम से जाना जाता है, में शंकराचार्य को ओंकारेश्वर की यात्रा के दौरान 12 वर्षीय बच्चे के रूप में चित्रित किया गया है।
- प्रतिमा का वजन 100 टन है और इसका निर्माण कलाकारों, मूर्तिकारों और इंजीनियरों की एक भारतीय टीम ने की थी।
- धातु की ढलाई चीन के नानचांग शहर में हुई और मूर्ति को कई हिस्सों में तैयार कर मुंबई भेजा गया।
- यह 88% तांबे, 4% जस्ता और 8% टिन की संरचना के साथ कांस्य से बना है, और इसकी आंतरिक संरचना उच्च गुणवत्ता वाले स्टील का उपयोग करके बनाई गई है।
- मूर्ति का डिज़ाइन राजा रवि वर्मा के शंकराचार्य के चित्रण से प्रेरित है।

आदि शंकराचार्य

- आदि शंकराचार्य का जन्म 11 मई, 788 ई. को केरल के कोच्चि के पास कलाडी में हुआ था।
- उन्होंने 33 वर्ष की आयु में केदार तीर्थ में समाधि ली।
- आदि शंकराचार्य भगवान शिव के अनुयायी थे।
- **दार्शनिक योगदान:**
 - उन्होंने अद्वैतवाद पर जोर देते हुए अद्वैत के सिद्धांत का प्रचार किया।
 - आदि शंकराचार्य ने वैदिक सिद्धांत पर संस्कृत में व्यापक टिप्पणियाँ लिखीं, जिनमें उपनिषद, ब्रह्म सूत्र और भगवद गीता शामिल हैं।
 - उनके विचार बौद्ध दार्शनिकों से भिन्न थे।
- **प्रमुख कृतियाँ:**
 - ब्रह्मसूत्रभाष्य: ब्रह्मसूत्र पर एक भाष्य।
 - भोजगोविंद स्तोत्र।
 - निर्वाण शतकमा।
 - विभिन्न प्रकार के ग्रंथ।

Face to Face Centres





➤ हिंदू धर्म का पुनरुद्धार:

- बौद्ध धर्म की बढ़ती लोकप्रियता का मुकाबला करते हुए, इन्होंने भारत में हिंदू धर्म को पुनर्जीवित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- भारत के विभिन्न क्षेत्रों में चार मठों की स्थापना की: श्रुंगेरी, पुरी, द्वारका और बद्रीनाथ, जो सनातन धर्म के प्रचार के लिए समर्पित थे।

➤ अद्वैत वेदांत दर्शन:

- प्राचीन उपनिषद ग्रंथों में निहित कठोरपंथी अद्वैतवाद के दर्शन को व्यक्त किया।
- अद्वैत वेदांत व्यक्तित्व और अनुभवजन्य बहुलता से परे, परम वास्तविकता के रूप में 'ब्राह्मण' की अवधारणा पर जोर देता है।
- इस दर्शन के अनुसार, व्यक्ति का स्व (आत्मान) मूल रूप से ब्रह्म के समान है।
- इस दर्शन का मूल सिद्धांत यह है कि आत्मा एक शुद्ध चेतना है, अद्वैत, अनंत और ब्रह्म के समान है।

SDG शिखर सम्मेलन 2023

सन्दर्भ: उच्च स्तरीय एसडीजी शिखर सम्मेलन के लिए दुनिया भर के नेताओं ने 18 सितंबर, 2023 को न्यूयॉर्क में मुलाकात की और 2030 तक एसडीजी हासिल करने के प्रयासों को तेज करने का संकल्प लिया।

- सभी वैश्विक नेता 19 सितंबर, 2023 को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र एसडीजी शिखर सम्मेलन के लिए बुलाए गए।
- उन्होंने 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों (SDG) को प्राप्त करने के प्रयासों को तेज करने का संकल्प लिया।

SDG प्राप्त करने की लागत:

- अंकटाइड विश्लेषण में अनुमान लगाया गया है कि 2030 तक सतत खाद्य प्रणालियों से संबंधित SDG संकेतकों की लागत सालाना 6.1 ट्रिलियन डॉलर होगी।
- इसका आशय प्रति व्यक्ति आय प्रति वर्ष \$1,383 होती है।
- 48 विकासशील देशों के लिए 328 बिलियन डॉलर वार्षिक अंतर के साथ, फंडिंग में कमी प्रगति में बाधा बन रही है।
- इस अंतर को समाप्त करने के लिए 5.7% वार्षिक वृद्धि की आवश्यकता है।

श्रेणी के अनुसार निवेश आवश्यकताएँ:

- विभिन्न एसडीजी के लिए वार्षिक लागत अलग-अलग होती है:
- लैंगिक समानता: \$6.4 ट्रिलियन
- खाद्य प्रणाली: \$6.1 ट्रिलियन
- शिक्षा परिवर्तन: \$5.9 ट्रिलियन
- ऊर्जा संक्रमण: \$5.8 ट्रिलियन
- समावेशी डिजिटलीकरण: \$5.6 ट्रिलियन
- जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता हानि और प्रदूषण: \$5.5 ट्रिलियन
- सामाजिक सुरक्षा और सभ्य नौकरियाँ: \$5.4 ट्रिलियन

परस्पर जुड़े संकेतक

- विश्लेषण में विभिन्न लक्ष्यों के बीच परस्पर जुड़े एसडीजी संकेतकों पर विचार किया गया।
- इसने सहक्रियाओं की पहचान की, जिससे पता चला कि कैसे एक क्षेत्र में निवेश से कई एसडीजी को लाभ हो सकता है।

वैश्विक एसडीजी फंडिंग गैप

- वार्षिक एसडीजी फंडिंग अंतर महामारी से पहले \$2.5 ट्रिलियन से बढ़कर अनुमानित \$4.2 ट्रिलियन हो गया है।
- सभी वैश्विक नेताओं ने एसडीजी हासिल करने के लिए बड़े पैमाने पर निवेश की आवश्यकता को स्वीकार किया।

प्रकृति के बदले ऋण की अदला-बदली

- सभी वैश्विक नेताओं ने जलवायु पर केंद्रित लक्ष्यों सहित एसडीजी के लिए ऋण स्वैप को बढ़ाने की वकालत की।
- ऋण-के-प्रकृति स्वैप भारी ऋणग्रस्त विकासशील देशों को कम ब्याज दरों के साथ नए ऋणों के साथ ऋणों को प्रतिस्थापित करके संरक्षण का समाधान करने में मदद करता है।
- जलवायु परिवर्तन और चरम मौसम की घटनाएं एसडीजी उपलब्धि के लिए खतरा पैदा करती हैं।
- एसडीजी के लिए महत्वपूर्ण ऊर्जा परिवर्तन पर 2023 से 2030 तक सालाना लगभग 5.8 ट्रिलियन डॉलर खर्च होने का अनुमान है।

अन्य प्रमुख परिणाम:

- नेताओं ने सभी ऋणदाताओं द्वारा बहुपक्षीय कार्यों और समन्वय को मजबूत करने का आह्वान किया।
- उन्होंने आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए पेरिस समझौते और सेंडाई फ्रेमवर्क को लागू करने की सिफारिश की।
- नेताओं ने एसडीजी की प्रगति में तेजी लाने और सतत विकास के लिए वैश्विक सहयोग बढ़ाने के लिए आपातकालीन पाठ्यक्रम सुधार का आग्रह किया।

SUSTAINABLE DEVELOPMENT GOALS



Face to Face Centres





NEWS IN BETWEEN THE LINES

पेरोव्स्काइट (Perovskite)



हाल ही में, वैज्ञानिकों ने पेरोव्स्काइट सामग्री के क्षेत्र में सफलता प्राप्त की है।
पेरोव्स्काइट क्या है?
पेरोव्स्काइट सामग्रियों का एक वर्ग है जो सुपरकंडक्टिविटी और मैग्नेटोरेसिस्टेंस जैसे अपने विविध गुणों के लिए जाना जाता है।
संरचना: पेरोव्स्काइट एक क्रिस्टल संरचना का निर्माण करता है जो कैल्शियम टाइटेनियम ऑक्साइड (CaTiO₃) के समान है, जिसका सूत्र ABX₃ है, जहां "ए" और "बी" धनायन हैं और "एक्स" ऋण आयन हैं।
खोज: गुस्ताव रोज ने 1839 में रूस के यूराल पर्वत में पेरोव्स्काइट की खोज की, जिसका नाम लेव पेरोव्स्की के नाम पर रखा गया।
लचीलापन: वैज्ञानिक विभिन्न भौतिक, ऑप्टिकल और विद्युत गुणों के लिए पेरोव्स्काइट क्रिस्टल को अनुकूलित कर सकते हैं।
ऑप्टिकल गुण: पेरोव्स्काइट्स तरंग दैर्ध्य की एक विस्तृत श्रृंखला में प्रकाश को कुशलतापूर्वक अवशोषित और उत्सर्जित करते हैं, जिससे वे सौर कोशिकाओं और प्रकाश उत्सर्जक उपकरणों के लिए उपयुक्त हो जाते हैं।
अनुप्रयोग: पेरोव्स्काइट का उपयोग सेंसर, ईंधन सेल, सौर सेल, लेजर, मेमोरी डिवाइस और स्पिंट्रॉनिक्स में किया जाता है।
सौर सेल: पेरोव्स्काइट सौर सेल कम लागत, उच्च दक्षता वाली फोटोवोल्टिक सामग्री के रूप में अपनी क्षमता के लिए विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं।

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन



हाल ही में, सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के 'स्रोत कोड' के स्वतंत्र ऑडिट की याचिका को खारिज कर दिया।
इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन क्या है?

- इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) एक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण है जिसका उपयोग चुनावों में वोट डालने और गिनती करने के लिए किया जाता है।
- इसमें दो इकाइयाँ होती हैं: नियंत्रण इकाई और मतपत्र इकाई, जो एक केबल द्वारा जुड़ी होती हैं।
- नियंत्रण इकाई: मतदाताओं की पहचान सत्यापित करने के लिए नियंत्रण इकाई पीठासीन या मतदान अधिकारी के पास होती है।

मतपत्र इकाई: इसे मतदान कक्षों में रखा जाता है, यह मतदान बटनों के साथ उम्मीदवारों के नाम और प्रतीक प्रदर्शित करता है।
भारत में ईवीएम:

- भारतीय ईवीएम को 1989 में चुनाव आयोग द्वारा भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के सहयोग से विकसित किया गया था।
- इन्हें पहली बार सीमित क्षमता में 1982 में और 1999 में गोवा में आम चुनावों के लिए उपयोग किया गया था।

केंद्रीय जल आयोग



केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, भारत के 150 प्रमुख जलाशयों का स्तर वर्तमान में 10 साल के औसत से नीचे और पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में कम है।
केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) क्या है?
केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) भारत में जल संसाधनों में विशेषज्ञता वाला एक प्रमुख तकनीकी संगठन है।
प्रशासनिक स्थिति: यह वर्तमान में भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा कायाकल्प विभाग के एक संलग्न कार्यालय के रूप में कार्य करता है।
कार्य:

- सीडब्ल्यूसी पूरे भारत में जल संसाधन नियंत्रण, संरक्षण और उपयोग से संबंधित योजनाओं को शुरू करने, समन्वय करने और आगे बढ़ाने के लिए जिम्मेदार है।
- इन योजनाओं में बाढ़ नियंत्रण, सिंचाई, नेविगेशन, पेयजल आपूर्ति और जल विद्युत विकास शामिल हैं।
- सीडब्ल्यूसी प्रासंगिक परियोजनाओं की जांच, निर्माण और निष्पादन भी करती है।

नेतृत्व: आयोग का नेतृत्व एक अध्यक्ष करता है, जिसे भारत सरकार के पदेन सचिव का दर्जा प्राप्त होता है।

परिहार (Remission)



हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने लंबे समय तक कैद में रहने के बाद सुधार का प्रदर्शन करने वाले दोषियों को सजा में परिहार (छूट) देने का समर्थन किया है।
परिहार क्या है? सजा की प्रकृति में बदलाव किए बिना सजा की अवधि को कम करना परिहार है।
परिहार का आधार: परिहार प्रायः अच्छे आचरण, सुधार और स्वास्थ्य संबंधी कारणों के आधार पर दिया जाता है।
संवैधानिक प्रावधान: भारतीय संविधान के अनुच्छेद 72 और 161 क्रमशः राष्ट्रपति और राज्यपाल को सजा को माफ करने, निलंबित करने, परिवर्तित करने या कम करने का अधिकार देते हैं।
कानूनी ढांचा: आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी), विशेष रूप से धारा 432 से 435, परिहार देने की प्रक्रिया की रूपरेखा बताती है।

राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार





हाल ही में, भारत सरकार ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में "राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार" प्रदान करने की घोषणा की है।
उद्देश्य: इस पुरस्कार का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में टीमों सहित वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों और नवप्रवर्तकों के असाधारण कार्य को मान्यता देना है।
पात्रता: विदेश में भारतीय मूल के लोगों सहित विभिन्न क्षेत्रों के व्यक्ति और टीमों योग्य होंगी।
श्रेणियाँ: पुरस्कारों में आजीवन उपलब्धियाँ, विशिष्ट योगदान, युवा वैज्ञानिक और टीम प्रयास शामिल हैं।
क्षेत्र: यह भौतिकी, रसायन विज्ञान, चिकित्सा, इंजीनियरिंग और अन्य 13 क्षेत्रों में उत्कृष्टता को मान्यता देता है।
चयन: इसके लिए प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार की अध्यक्षता वाली एक समिति वार्षिक तौर पर नामांकन की समीक्षा करती है।
समयरेखा: नामांकन 14 जनवरी, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर खुलेंगे और 28 फरवरी को समाप्त होंगे। पुरस्कारों की घोषणा 11 मई, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर और 23 अगस्त, राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर समारोह के साथ की जाएगी।
मान्यता: पुरस्कार विजेताओं को एक प्रमाण पत्र और एक पदक मिलता है, और ये पुरस्कार अन्य राष्ट्रीय पुरस्कारों के बराबर महत्व रखते हैं।

Face to Face Centres





<p>क्षुद्रग्रह बेन्नु (Asteroid Benu)</p> 	<p>नासा का ओसिरिस-रेक्स मिशन क्षुद्रग्रह बेन्नु से एकत्रित धूल का नमूना लेकर पृथ्वी पर वापसी के लिए तैयार है। क्षुद्रग्रह बेन्नु: बेन्नु पृथ्वी के निकट एक निकट क्षुद्रग्रह है, जिसका अर्थ है कि इसकी कक्षा इसे पृथ्वी के पथ के करीब लाती है। विशेषताएँ: यह एक पहाड़ के आकार की अंतरिक्ष चट्टान है, जो लगभग 500 मीटर (1,640 फीट) चौड़ी है। वैज्ञानिक महत्व: बेन्नु वैज्ञानिकों के लिए बहुत रुचिकर है क्योंकि इसमें पृथ्वी और जीवन की उत्पत्ति के बारे में सुराग हैं। जल सामग्री: ऐसा माना जाता है कि इसके खनिजों के भीतर भारी मात्रा में पानी है, जो की संभवतः वजन के हिसाब से 10% तक हो सकता है। कार्बन सामग्री: बेन्नु में लगभग 5-10% कार्बन है, जो कार्बनिक रसायन विज्ञान और जीवन के संभावित विकास के लिए एक महत्वपूर्ण तत्व है।</p>
<p>समाचारों में स्थान</p> <p>काला सागर</p>	<p>हाल ही में यूक्रेन ने क्रीमिया में रूस के काला सागर नौसेना मुख्यालय पर हमला कर दिया। भौगोलिक स्थिति: काला सागर दक्षिणपूर्वी यूरोप में स्थित एक महत्वपूर्ण अंतर्देशीय समुद्र है। सीमावर्ती देश: काला सागर अपनी सीमाएँ यूक्रेन (उत्तर), रूस (उत्तर पूर्व), जॉर्जिया (पूर्व), तुर्की (दक्षिण), बुल्गारिया (दक्षिण पश्चिम) और रोमानिया (पश्चिम) के साथ साझा करता है। भूमध्य सागर से संबंध: यह बोस्पोरस जलडमरूमध्य, मरमारा सागर और डाडनिल्स जलडमरूमध्य के माध्यम से भूमध्य सागर से जुड़ता है। आकार: काला सागर लगभग 436,000 वर्ग किलोमीटर (168,000 वर्ग मील) क्षेत्र में फैला है। मीठे पानी का प्रवाह: डेन्यूब, नीपर और डेनिस्टर सहित कई नदियाँ, मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिमी तटीय क्षेत्रों में, काले सागर में मीठे पानी का प्रवाह प्रदान करती हैं। सीमित ऑक्सीजन स्तर: <ul style="list-style-type: none"> ➤ काले सागर के गहरे पानी में इसकी अद्वितीय भूवैज्ञानिक और जलवैज्ञानिक स्थितियों के कारण ऑक्सीजन का स्तर कम है। ➤ यह दुनिया के सबसे बड़े एनोक्सिक बेसिनों में से एक है, जिसके क्षेत्रों में बहुत कम घुलनशील ऑक्सीजन होती है। द्वीप समूह: काला सागर में कई द्वीप हैं, जिनमें सबसे बड़े द्वीप स्नेक आइलैंड (यूक्रेन), ग्रियर्सन द्वीप (तुर्की) और सेंट इवान द्वीप (बुल्गारिया) हैं।</p> 

POINTS TO PONDER

- ❖ "फिक्शन एंड बियॉन्ड" के लेखक कौन हैं? - अशोकमित्रन (Ashokamitran)
- ❖ आरबीआई अधिनियम 1934 की किस धारा के तहत आरबीआई एआईएफआई को पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) बनाए रखने का आदेश देता है? - धारा 45एल
- ❖ सीमेंट के रसायन विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस (ICCC) का स्थायी सचिवालय कहाँ स्थित है? - डसेलडोर्फ, जर्मनी
- ❖ भारत में रेडियो प्रसारण किस अधिनियम के अंतर्गत आता है? - भारतीय वायरलेस टेलीग्राफी अधिनियम, 1933
- ❖ ओंकारेश्वर में "स्टैच्यू ऑफ वननेस" किस की प्रतिमा है? - आदि शंकराचार्य

Face to Face Centres

